प्रेस विज्ञप्ति

जोधपुर, 23 जुलाई 2021

देश के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय विधि विश्वविधालयों में प्रवेश के लिये प्रवेश परीक्षा–Common Law Admission Test (CLAT) 23 जुलाई 2021 को दोपहर 2.00 बजे से 4.00 बजे आयोजित की गई। राष्ट्रीय विधि विश्वविधालय, जोधपुर की कुलसचिव श्रीमति नेहा गिरि द्वारा अवगत कराया गया कि विधि के स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थीयों द्वारा परीक्षा मे भाग लिया गया। परीक्षा पेन–पेपर माध्यम से आयोजित की गई। राष्ट्रीय विधि विश्वविधालय, जोधपुर में 509 अभ्यर्थियों में से 465 अभ्यर्थी उपस्थित रहे तथा 44 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे, आयुर्वेद विश्वविधालय, जोधपुर में 300 अभ्यर्थियों में से 274 अभ्यर्थी उपस्थित रहे तथा 26 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे, कृषि विश्वविधालय, जोधपुर में 128 अभ्यर्थियों में से 125 अभ्यर्थी उपस्थित रहे एवं 3 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे एव ंडॉ. बी.आर. अम्बेड़कर आवासीय माध्यमिक विधालय, मण्डोर, जोधपुर में 142 अभ्यर्थियों में से 133 अभ्यर्थीं प्रवेश परीक्षा हेतु उपस्थित रहे तथा 9 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इस प्रकार जोधपुर जिले में चार परीक्षा केन्द्र पर कुल 1076 अभ्यर्थियों में से 997 परीक्षार्थी प्रवेश परीक्षा में उपस्थित रहे तथा 79 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। कोटा जिले में ओम कोठारी इंस्टीट्यूट ऑफ मेनेजमेंट एण्ड रिसर्च में भी 346 अभ्यर्थियों में से 311 अभ्यर्थियों द्वारा परीक्षा में भाग लिया गया तथा 35 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। सभी परीक्षा केन्द्रो पर विश्वविधालय द्वारा Observor तथा Invigilators को कोरोना से बचाव हेतु आवश्यक किट जिसमें दस्ताने, Hand-Sanitizer, face-shield तथा mask उपलब्ध करवाए गये। विश्वविधालय के चिकित्सा अधिकारी द्वारा परीक्षा केन्द्र पर उपस्थित होने वाले सभी अभ्यर्थियों के तापमान का परीक्षण कर उनको केन्द्र में प्रवेश दिया गया। परीक्षार्थीयों को परीक्षा कक्ष में पानी की बोतल उपलब्ध करवाई गई तथा Hand-Sanitizer की भी व्यवस्था रखी गई। कोविद–19 लक्षण वाले अभ्यर्थी हेतु प्रत्येक केन्द्र पर Isolation Room की व्यवस्था की गई थी लेकिन किसी भी अभ्यर्थी में कोविद–19 के लक्षण नहीं पाये गये। परीक्षा केन्द्रों पर जांच हेतु गश्ती दल भी भेजे गये। परीक्षा में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न नहीं हुआ तथा कोरोना से बचाव हेतु राज्य सरकार द्वारा समस्त गाईडलाईन का पालन करते हुए सफल रूप से परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा आयोजन में सख्त पर्यवेक्षण की वजह से नकल का एक भी प्रकरण नहीं पाया गया। पुलिस उपायुक्त (पूर्व), पुलिस आयुक्त, जोधपुर कार्यालय द्वारा प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर पर्याप्त संख्या में महिला व पुरूष पुलिस बल की तैनाती की गई।